आपका भाग्य आपके हाथों में - दादी

हांगकांग। रीगल होटल में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी एवं ध्यानपूर्वक सुनते हुए प्रतिभागी।

हांगकांग। दादी जी के हांगकांग पहुंचाने पर कूलून सेवाकेंद्र द्वारा पर्क पैलेस में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसे सम्बोधित करते हुए संस्था की अतिरिक्त सह मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने बताया कि आज से करीब 40 वर्ष पूर्व दादी सवित्री और दादा राम के द्वारा हांगकांग में प्रथम सेवाकेंद्र की स्थापना की गई थी। दादी सवित्री के द्वारा इस देश में एक बीज डाला गया जो कि आज इतने विशाल रूप में फैला हुआ है। उन्होंने कहा कि हम अपने तन-मन-धन से ही समाज की सेवा कर अपना भाग्य बना रहे हैं। हमें अपने मन-बुद्धि को स्वच्छ रखने के लिए मुरली का अध्ययन प्रतिदिन करना चाहिए और इससे स्व-उन्नति के प्वांइट्स निकालकर उसका पुरुषार्थ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने सम्बन्धों में विश्वास बनाये रखने का सबसे सहज साधन है दुआ दो और दुआ लो। इस अवसर पर उन्होंने ब्रह्मा बाबा के संग के अनुभवों को भी विस्तार से बताया। इसके बाद एक दूसरा कार्यक्रम रीगल होटल में आयोजित किया गया। वहां दादी जी का संदेश सुनने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और दादी जी की एक झलक पाने के लिए लोग होटल के बाहर भी इंतजार करते रहें। इस सभा का मुख्य आकर्षण ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 75 वर्षों में विश्व में किए गए आध्यात्मिक सेवाओं को दिखाया गया कि किस प्रकार विश्व के हर कोने में परमात्मा का संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से यह सेवा प्रारंभ की गई। हिंदु एसोशिएशन के अध्यक्ष के.शीतल ने कहा कि हांगकांग का यह भाग्य है कि इस संध्या वेला में कोहिनूर हीरे के सामान दादी जी यहां उपस्थित हैं और अपनी वरदानी बोल और शीतल दृष्टि से लोगों में उमंग-उत्साह भर रही हैं। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ.निर्मला, ब्र.कु.नीलू बहन, ब्र.कु.गीता बहन, ब्र.कु.कमला बहन के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया।

देश के नवनिर्माण में सामूहिक सहभागिता जरूरी

ज्ञानसरोवर। अध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित राजनीति के माध्यम से देश का नवनिर्माण सामुहिक सहभागिता से ही संभव है। उक्त उद्गार हरियाणा विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष गोपीचंद गेहलोत ने ब्रह्माकुमारीज़ के राजनीति प्रभाग द्वारा 'समय की पुकार-स्वप्नदर्शी नेतृत्व' विषय पर आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में राजनीतिज्ञों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।उन्होंने कहा कि समाज में नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना शांति, सहयोग व सद्भाव का वातावरण बनाने में प्रयत्नशील रहने वाले जननेता ही सामाजिक माहौल बनाकर भ्रष्टाचार को मिटा सकते हैं।

ज्ञानसरोवर। राजनीति प्रभाग के कार्यक्रम में मंचासीन हैं ब्र.कु.जयंति, विधायक जवाहर प्रसाद, ब्र.कु.बृजमोहन एवं ब्र.कु.निर्वेर।

संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि लोक कल्याण व राष्ट्र विकास के लिए राजनीतिज्ञों को सभी मतभेदों को भुलाकर एक मत होने की आवश्यकता है, तभी हम भारत को पुन: सोने की चिड़िया बना सकते हैं। मूल्यनिष्ठ राजनीति को बढ़ावा देने के लिए हमेशा सकारात्मक सोच रखनी चाहिए। सासाराम (बिहार) के विधायक जवाहर प्रसाद ने कहा कि देश के नवनिर्माण के लिए सामाजिक बुराइयों के विरूद्ध सामूहिक रूप से लड़ना होगा। जिससे अनेक समस्याओं का समाधान हो सकता है। उन्होने कहा कि वह समय भी था जब नंद वंश के अत्याचारों व पापों से मगध देश त्रस्त था उस समय नालंदा विश्व विद्यालय के चाणक्य जैसे शिक्षक ने भारत को चन्द्रगुप्त जैसा नेतृत्व देकर देश को अखण्ड भारत का रूप दिया।उन्होंने कहा की ध्यान से ही आत्मज्ञान प्राप्त होता है इसलिए संत कबीर, श्रीगुरूनाक देव, तुकाराम, रहीम या रसखान जैसे कवियों को किसी विश्वविद्यालय में पढ़ने की आवश्यकता ही नहीं पड़ी। नेपाल के संविधान निमार्ण संसदीय समिति के सदस्य रामचंद्र प्यासी ने कहा कि विनम्रता मनुष्य का सबसे बड़ा आभूषण है। उन्होंने कहा कि मैंने नेपाल में उन शासकीय कर्मचारियों को देखा जो ब्रह्माकुमारी संस्था के नियमित सदस्य हैं वे अपने कार्यक्षेत्र में पूरी तरह से भ्रष्टाचार से मुक्त है। इन लोगों की वजह से ही मुझे यहाँ आने की प्रेरणा मिली।

संस्था के महासचिव ब्र.कु.निर्वेर ने कहा कि आध्यात्मिकता पहले स्वयं पर शासन करना सिखाती है। स्वशासन से मूल्यों का विकास होता है, जिससे समाज में नि:स्वार्थ भाव से सेवा करने की प्रेरणा मिलती है। राजनीतिक प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु.बृजमोहन ने कहा कि सच्चा सुख व शांति की राह जीवन में आध्यात्मिकता के समावेश से प्राप्त हो सकती है। यूरोप में सेवाकेंद्रों की निदेशिका ब्र.कु.जयंति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ विश्व की सबसे कठिन समस्याओं का समाधान आध्यात्मिकता के आधार पर निकालने का विचार कर रहा है। इसमें राजयोग मेडिटेशन का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है। आज चारों ओर व्याप्त भय और अशांति ने मानव के जीवन को प्रभावित किया है ऐसे समय में आध्यात्मिक शक्ति ही उससे मुक्त करने में सफल होगी।

इस कार्यक्रम को असम एजीपी के महासचिव केशव महंता, ओ.आर.सी. की संचालिका ब्र.कु.आशा, प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु.लक्ष्मी ने भी सम्बोधित किया।

सदस्यता शुल्क

भारत – वार्षिक 170 रूपये,
तीन वर्ष 510 रूपये
आजीवन 4000 रूपये
विदेश – 2000 *रूपये (वार्षिक)*
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ओम् शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry for Membership and complain (m)-09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज् मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।